अत्यतं गोपनीय - के वल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेत ु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना SANSKRIT CORE

SUBJECT CODE : 322 PAPER CODE : 22

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है।

अंक-योजना (Marking Scheme) XII Class 2020

संस्कृतम् (Sanskrit Core) Set 4 (**Code No. 22**)

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत वाक्य निर्माण संबंधी प्रश्न में वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठितांश अवबोधनम्) 10 अङ्काः

1। (अ) एकपदेन उत्तरत। (केवल चार प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i) विनयम् (ii) मानवः (iii) सद्विद्या (iv) विद्याधनम् (v) सञ्चयात्/अदानात्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 2 अंक। **2×2=4**

(i) विद्याधनम् अन्येभ्यः धनेभ्यः श्रेष्ठं धनम् अस्ति।

(ii) विद्यया नरः देशे विदेशे च सर्वत्र यशः लभते।

(iii) विद्यायाः कोशः अपूर्वः अद्भुतः च अस्ति।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत। (केवल तीन प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) सद्/सत् (ii) सुखम् (iii) विद्यायै/सद्विद्यायै (iv) विद्या

(द) विद्या/ विद्याधनम् /विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक । **1**

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। **½×10=5**

(i) प्रणमामि
(ii) आशीर्वादेन
(iii) विद्यालये
(iv) श्रीरामस्य
(V) महाराजजनकस्य
(vi) धनुः
(vii) परशुरामेण
(viii) सर्वोत्कृष्टस्य
(ix) पुरस्कारं
(x) देवव्रतः

3। लघुकथा- 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। **½×10=5**

(i) वारंगल
(ii) वटवृक्षः
(iii) कपोतराजः
(iv) व्याधः
(V) वृक्षस्य
(vi) तण्डुलकणान्
(vii) कपोताः
(viii) जालेन
(ix) मूषकराजस्य
(x) मुक्ताः

4 | परोपकारः इति विषये लेखनम् **1×5=5**

बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ । मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं-आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

अथवा

किन्हीं पाँच वाक्यों का अनुवाद करना है। बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित है। अन्य विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। **1×5=5**

(i) एकः धनिकः कस्मिंश्चित् नगरे वसति स्म।
(ii) इमं विद्यालयम् उभयतः वृक्षाः सन्ति।
(iii) वृद्धः शनैः शनैः चलति।
(iv) वयम् ईश्वरं प्रार्थयामः / ईश्वरस्य प्रार्थनां कुर्मः।
(v) सत्यशीलस्य हृदयं स्वच्छं निर्मलं च अस्ति।
(vi) हिमालये अनेकानि तीर्थस्थानानि सन्ति।
(vii)अध्यापकाः छात्रेभ्यः शिक्षां यच्छन्ति/ददति। **अथवा** अध्यापकाः छात्रान् शिक्षयन्ति।

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 20 अंकाः

5 | सन्धि/<u>संधिच्छेद</u> -आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल छह प्रश्न) **1×6=6**

(i) श्रोतुम् + इच्छामि
(ii) यजुर्विद्याा
(iii) न+एव
(iv) सदृशागमः
(iv (v) दधाति + उषसि
(vi) कः + अपि
(vii) तावत् + मे
(viii) राजा+ उद्यानम्

6 | <u>समस्तपदविग्रह</u> -इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल पॉच प्रश्न) **1×5=5**

(i) ब्रह्मणः निदर्शनी
(ii) अज्ञानम्
(iii) पतिः च पत्नी च
(iv) पतिगृहम्
(v) सापराधम्
(vi) क्रियायाः विधिम् जानाति यः तम्/ क्रियायाः विधिज्ञं
(vii) वसुधायाः अधिपः
(viii)चत्वारि च दश च

7 | <u>प्रकृति-प्रत्यय</u>-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल छह प्रश्न) **1×6=6**

(i) प्र+नम्+ल्यप्
(ii) गत्वा
(iii) पुत्रवत्+ङीप्/पुत्र+मतुप्
(iv) प्र+मद्+तव्यत्
(v) निर्+ईक्ष्+शानच्
(vi) रूप+मतुप्
(vii) नीतवान्

8 | <u>विभक्ति प्रयोग</u> - इस प्रश्न में उपयुक्त विभक्ति का प्रयोग करना हैं। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(i) माम् /अस्मान् (ii) शिष्याय/शिष्येभ्यः (iii) पुत्राय /पुत्रेभ्यः (iv) एकेन

खण्डः 'घ भाग 1' (Section-D-I)(पठितांश-अवबोधनम्) 25 अङ्काः

9। इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है । बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। पूर्ण अंक दिए जाएँ। आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ।

गद्यांशः

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) भोजः (ii) राजाज्ञा (iii) भोजस्य

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 2 अंक। **2**

(i) वत्सराजः भोजं......वनं ......नीतवान्।

(ii) कुपितः राजा... त्वं मम सेवकोऽसि......... विधेयम्।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल चार प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i) सेवकः (ii) पालनीयैव (iii) वत्सराजाय (iv) भोजः (v) राजा

10 पद्यांशं

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) मूर्तिमती (ii) राणाप्रतापस्य (iii) हल्दिघाटी

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 2 अंक। **2**

(i) मूर्तिमती हल्दिघाटी राणाप्रतापस्य बलवीर्य-विभासमाना प्रतिभाति।

(ii) सा सुशोचिः शाटीव समाना आटीकते।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल चार प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i) सा/हल्दिघाटी (ii) हल्दिघाट्यै (iii) स्वाधीनता (iv) शाटी/शाटीव (v) भुवि

11 नाट्यांशं

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×2=1**

(i) रामः (ii) दोषः (iii) अरिः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न)। एक प्रश्न के लिए 2 अंक। **2**

(i) एकशरीरसंक्षिप्ता पृथिवी रक्षितव्या।

(ii) रामानुसार स्वजनात् प्रतीकारः नास्ति।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत -(केवल चार प्रश्न)। प्रत्येक के लिए ½ अंक। **½×4=2**

(i) पृथिवी (ii) रामाय (iii) पृथिवी (iv) प्रहरति (v) स्वजनशब्दः

12 भावार्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×6=3**

(i) कथयति (ii) विद्यावता (iii) सत्पुत्रेण (iv) कुलम् (v) पूर्णचन्द्रमसा (vi) प्रदीप्ता

अथवा

भाव-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल सही विकल्प लिख सकते हैं। **1×3=3**

(अ) (ii) दिलीपः एव......। (ब) (ii) छन्दसां प्रणवः इव...। (स) (iii) अहो मृत्युङ्गते......।

13 अन्वय-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। **½×6=3**

(अ) (i)हस्तेन (ii) नृपतिः (iii) मोहम्

(ब) (i)सर्गः (ii) मन्वन्तराणि (iii) पुराणम्

अथवा

प्रश्न पत्र से भिन्न पाठ्य पुस्तक का कोई एक श्लोक लिखकर उसका भावार्थ लिख सकते हैं। **1½ +1½=3**

14 अर्थ-संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर संख्या लिख सकते हैं। **½×4=2**

(अ) लक्ष्म्या रक्षार्थ (iii) पत्न्याः सहयोगः अनिवार्यः।

(ब) बली बलं वेत्ति (iv) न वेत्ति निर्बलः।

(स) ज्योत्सना तमः (ii) सहचरी चपलेति चित्रम्।

(द) महाराजशिववीरस्य (i) आज्ञां वयं शिरसा वहामः।

15 शब्दार्थ -संबंधी इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **½×4=2**

अ (i) स्वपठनकार्यात् स (iii) शम्भुकृपया

ब (ii) अल्पभाषिणम् द (ii) वदसि

खण्डः 'घ भाग 2' (Section-D-II)(सामान्यः संस्कृतसाहित्यपरिचयः) 10 अङ्काः

16 संक्षिप्त परिचय यहाँ किसी भी एक कवि परिचय के लिए एक-एक अंक रचना ,देश और काल के लिए। इस प्रश्न में सरल संस्कृत वाक्य में लिख सकते हैं। वाक्यों में व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। **3**

अथवा /OR

(i) महाकविभासेन (ii) पञ्च (iii) नाटकस्य (iv)गद्यपद्यमयं (v) विशाखदत्तः (vi) भोजः **½×6=3**

17 कथा आख्यायिका और रूपक की विशेषता के इस प्रश्न में सरल संस्कृत वाक्य में लिख सकते हैं। वाक्यों में व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। **1×3=3**

18 महाकाव्य या खण्डकाव्यानुरूप विशेषताओं सम्बन्धी इस प्रश्न में सरल संस्कृत वाक्य में लिख सकते हैं। किन्हीं चार प्रासंगिक विशेताओं को लिखना होगा। वाक्यों में व्याकरण वर्तनी आदि की दृष्टि से अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। **4**

महाकाव्य	खण्डकाव्य
1। सर्गबद्धम्	**1**। मुख्यचरित्र की किसी एक प्रमुख विशेषता का वर्णन
2। छन्दोयुक्तम्	**2**। देशानुसारम्
3। प्राकृतिकवर्णनयुक्तम्	**3**। सर्गबद्धम्
4। नायकादिपात्रैर्युक्तम्	**4**। जीवन की किसी घटना का वर्णन। इत्यादिकम्।
5। कथानकं लोकप्रसिद्धम् इत्यादिकम्।	

****